अंक 19 माह: फरवरी 2026

विश्रुत

मासिक पत्रिका

DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY
Madhya Pradesh, Khandwa | AN AISECT GROUP UNIVERSITY

विश्वविद्यालय मासिक पत्रिका

"ऊर्जस्वला वर्चस्वला अतिनिष्चला विजये
We are Energetic, Influential and are Always Committed"

मास का सूत्र

" विज्ञान मानवता के लिए एक सुंदर उपहार है। "

— डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम

संपादकीय

स्वर्णिम भारत : अतीत से भविष्य की ओर

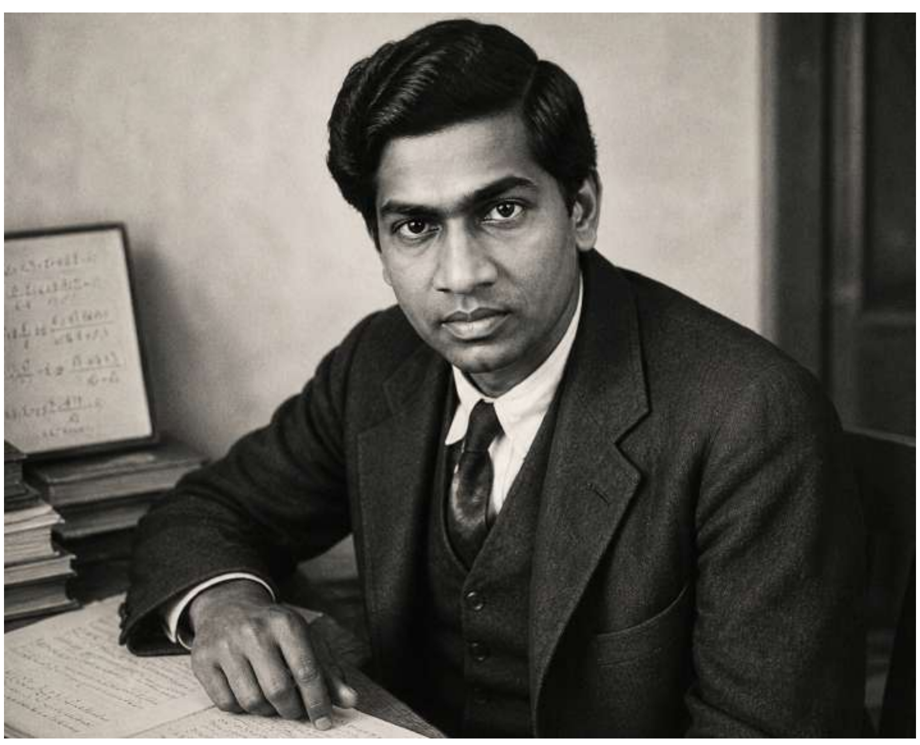

"An equation for me has no meaning unless it expresses a thought of God." — Srinivasa Ramanujan

इस गहन विचार में विज्ञान की आत्मा निहित है—जहाँ गणित और विज्ञान केवल संख्याओं और सूत्रों तक सीमित नहीं रहते, बल्कि सृष्टि के गूढ़ रहस्यों को समझने का माध्यम बन जाते हैं। इसी प्रेरणा से S. Ramanujan School of Science ज्ञान को केवल समझने तक सीमित नहीं रखता, बल्कि उसे अनुभव, अनुसंधान और उपयोग के माध्यम से जीवन से जोड़ने का सतत प्रयास करता है।

डॉ. सी. वी. रमन यूनिवर्सिटी की 13 अध्ययनशालाओं में से एक महत्वपूर्ण अध्ययनशाला के रूप में, यह अध्ययनशाला विज्ञान की वह उस सजीव और समृद्ध परंपरा का संवाहक है, जो "समाज-संवेदनशील विज्ञान", "जन-जीवन में रचा-बसा विज्ञान" और "नारी शक्ति को समृद्ध करता विज्ञान" जैसे विचारों को मूर्त रूप देते हुए ज्ञान की ज्योति को जन-जन तक प्रसारित करने का संकल्प संजोए हुए है।

हमारा ध्येय है—वैज्ञानिक अनुसंधान और संवाद के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग में विज्ञान की समझ को सशक्त बनाना तथा वैश्विक और सामाजिक चुनौतियों के समाधान में सार्थक योगदान देना; और हमारा संकल्प है—अनुभवात्मक, समावेशी एवं तकनीक-समर्थ शिक्षा के द्वारा विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार, तर्कशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास करना।

"Research into Use" की भावना हमारे प्रत्येक प्रयास में प्रतिबिंबित होती है—जहाँ शोध केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं रहता, बल्कि समाज के जीवन में उपयोगी परिवर्तन का आधार बनता है।

यह संपादकीय उसी वैज्ञानिक चेतना का प्रतिबिंब है—जहाँ विचार शोध में बदलते हैं, और शोध समाज के कल्याण में।

संकल्प : स्वर्णिम भारत के निर्माण का दायित्व

S. Ramanujan School of Science विज्ञान शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता का एक सुदृढ़ केंद्र है, जहाँ ज्ञान, जिज्ञासा और प्रयोग एक साथ मिलकर अधिगम की प्रक्रिया को सार्थक और प्रभावशाली बनाते हैं।गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान, जैव विज्ञान एवं पर्यावरण विज्ञान जैसे विषयों के माध्यम से यह अध्ययनशाला विद्यार्थियों को एक मजबूत शैक्षणिक आधार प्रदान करती है और उन्हें वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समृद्ध बनाती है।

यहाँ आधुनिक प्रयोगशालाएँ, अनुभवी संकाय और शोध-उन्मुख पाठ्यक्रम मिलकर ऐसा प्रेरणादायी वातावरण निर्मित करते हैं, जहाँ विद्यार्थी केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित नहीं रहते, बल्कि प्रयोगों और अनुभवों के माध्यम से जटिल अवधारणाओं को सरलता से समझते हैं। कर्मप्रधान अधिगम की प्रक्रिया विद्यार्थियों को समस्या-समाधान, नवाचार और आलोचनात्मक चिंतन की दिशा में अग्रसर करती है।"

विज्ञान अध्ययनशाला का उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि ऐसे सक्षम, जागरूक और उत्तरदायी वैज्ञानिकों का निर्माण करना है, जो अपने ज्ञान और कौशल के माध्यम से समाज और राष्ट्र के विकास में सक्रिय भूमिका निभा सकें। **"Research into Use"** की भावना के साथ यहाँ प्रत्येक अध्ययन और शोध को समाजोपयोगी दिशा देने का प्रयास किया जाता है।

हमारी दृष्टि (Vision)

एक ऐसे समावेशी, नवाचारोन्मुख और शोध-प्रधान शैक्षणिक वातावरण का निर्माण करना, जहाँ विज्ञान जीवन की समझ का आधार बने और विद्यार्थी वैश्विक एवं सामाजिक चुनौतियों के समाधान हेतु सक्षम बनें।

हमारा मिशन (Mission)

अनुभवात्मक, तकनीक-सम्मिलित एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तर्कशीलता, नवाचार और सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास करना तथा ज्ञान को समाजोपयोगी दिशा प्रदान करना।

प्रमुख उपलब्धियाँ

- राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी में उत्कृष्ट प्रदर्शन
- प्रतिष्ठित शोध पत्रिकाओं में शोध पत्रों का प्रकाशन
- नवाचार प्रतियोगिताओं में पुरस्कार प्राप्ति
- विज्ञान ओलंपियाड में चयन

छात्र उपलब्धियाँ - हमारी पहचान, हमारी शक्ति

हमारे विद्यार्थी केवल ज्ञान के ग्रहणकर्ता नहीं, बल्कि उसके सृजनकर्ता हैं। राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का सशक्त प्रदर्शन करते हुए उन्होंने अध्ययनशाला की प्रतिष्ठा को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है। विभिन्न विज्ञान प्रतियोगिताओं, संगोष्ठियों, शोध परियोजनाओं और नवाचार गतिविधियों में उनकी सक्रिय भागीदारी यह सिद्ध करती है कि यहाँ शिक्षा केवल अधिगम तक सीमित नहीं, बल्कि उपलब्धि और सृजन में परिवर्तित होती है।

विश्वत

अंक 19, क्रमांक –3,
माह: फरवरी 2026

प्रमुख शैक्षणिक एवं वैज्ञानिक गतिविधियाँ

1. विज्ञान अन्वेषण दिवस भौतिकी एवं रसायन विज्ञान के प्रयोगों, विज्ञान प्रश्नोत्तरी तथा कृषि एवं वनस्पति विज्ञान से जुड़े प्रेरक अनुभवों के माध्यम से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक जिज्ञासा को प्रोत्साहन मिला और विद्यालय-विश्वविद्यालय संबंध सुदृढ़ हुए।
2. नवाचार एवं उद्यमिता जन-जागरूकता कार्यक्रम भूजल पुनर्भरण प्रणाली एवं ड्रिप सिंचाई प्रणाली के प्रदर्शन के माध्यम से जल संरक्षण एवं सतत कृषि के प्रति जागरूकता बढ़ाई गई, साथ ही विद्यार्थियों को व्यवहारिक अधिगम का अवसर मिला।
3. औद्योगिक भ्रमण – एम्बी वाइनयार्ड, रतलाम विद्यार्थियों ने अंगूर की खेती एवं वाइन निर्माण प्रक्रिया का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया। इस दौरान जैव उर्वरकों, कृषि में कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा औद्योगिक प्रक्रियाओं की समझ विकसित हुई।
4. विश्व क्वांटम दिवस विशेषज्ञ व्याख्यान एवं प्रयोगात्मक सत्र के माध्यम से भौतिकी के जटिल सिद्धांतों को सरल रूप में प्रस्तुत किया गया, जिससे विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रुचि और गहराई आई।
5. ग्रामीण विज्ञान संवाद ग्राम छोटी छैगांव देवी में आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से विज्ञान को समाज से जोड़ते हुए पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण और वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा दिया गया।
6. विश्व तंबाकू निषेध दिवस जागरूकता कार्यक्रम, संकल्प समारोह एवं ध्यान सत्र के माध्यम से स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और आत्म-नियंत्रण का संदेश दिया गया।
7. विश्व पर्यावरण दिवस "हमारी भूमि, हमारा भविष्य" विषय के अंतर्गत वृक्षारोपण, 'एवरग्रीन कैंपस' परियोजना और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

छात्र सहभागिता एवं पहल

हमारे विद्यार्थियों ने विभिन्न मंचों पर सक्रिय सहभागिता करते हुए अपनी बहुआयामी प्रतिभा का परिचय दिया—

1. महक सोनी – राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर लाइव प्रयोगशाला, नाट्य प्रस्तुति एवं राष्ट्रीय छात्र पर्यावरण प्रतियोगिता में सहभागिता।
2. स्वाति जालकारे एवं अनोश रावजी – राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर प्रयोगात्मक गतिविधियों एवं नाट्य प्रस्तुति में सक्रिय भागीदारी।
3. तेजस झा –
   - वानमाली संवाद में शिक्षक शिक्षा विषय पर प्रस्तुति
   - राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) पर्यावरण सम्मेलन में सहभागिता
   - हिंदी जागरूकता चर्चा में योगदान
   - राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर वाद-विवाद में प्रतिनिधित्व
   - "शोध शिखर" में प्राकृतिक गैस विषय पर शोध टीम के साथ विजेता

ये उपलब्धियाँ इस तथ्य को प्रमाणित करती हैं कि हमारे विद्यार्थी केवल ज्ञान अर्जित नहीं करते, बल्कि उसे सृजन, प्रयोग और समाजोपयोगी दिशा में रूपांतरित भी करते हैं। यही उनकी पहचान है और यही हमारी शक्ति।

प्रगति और परंपरा का संगम: संस्कृति, शिक्षा और नवाचार के साथ आगे बढ़ते कदम

S. Ramanujan School of Science उस समन्वित चेतना का प्रतीक है, जहाँ परंपरा की गहराई और प्रगति की गति एक साथ मिलकर ज्ञान की नई दिशाओं का सृजन करती हैं। यहाँ भारतीय ज्ञान परंपरा की मूल संवेदनाएँ—प्रकृति के प्रति आदर, संतुलन और समग्र दृष्टि—आधुनिक विज्ञान की तार्किकता और तकनीकी प्रगति के साथ सहज रूप से जुड़ती हैं।

यह अध्ययनशाला मानती है कि सच्चा विकास तभी संभव है, जब शिक्षा केवल बौद्धिक न रहकर सांस्कृतिक और मानवीय मूल्यों से भी जुड़ी हो। इसी कारण यहाँ विज्ञान को संस्कृति से जोड़ते हुए एक ऐसा वातावरण निर्मित किया जाता है, जहाँ विद्यार्थी ज्ञान के साथ-साथ संवेदनशीलता, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व को भी आत्मसात करते हैं।

संस्कृति और विज्ञान का यह संतुलित संगम विद्यार्थियों को समग्र विकास की ओर अग्रसर करता है—जहाँ वे केवल कुशल वैज्ञानिक ही नहीं, बल्कि जागरूक, सहृदय और जिम्मेदार नागरिक के रूप में भी विकसित होते हैं।

विभिन्न कार्यशालाएँ, विज्ञान मेले, नवाचार प्रदर्शनी, सांस्कृतिक आयोजन एवं संवाद-आधारित कार्यक्रम इस समन्वय को और सशक्त बनाते हैं। ये गतिविधियाँ विद्यार्थियों को न केवल अपनी प्रतिभा को अभिव्यक्त करने का मंच प्रदान करती हैं, बल्कि उन्हें परंपरा और आधुनिकता के बीच संतुलन स्थापित करने की प्रेरणा भी देती हैं।

इस प्रकार, S. Ramanujan School of Science निरंतर ऐसे पथ पर अग्रसर है, जहाँ ज्ञान की जड़ें परंपरा में गहरी

नवांकुर : सृजनशीलता और युवा स्वर – छात्र रचनाएँ

नवांकुर के अंतर्गत विद्यार्थियों की सृजनशीलता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सामाजिक संवेदनशीलता को अभिव्यक्त करने हेतु विभिन्न विधाओं में प्रस्तुत हैं छह चयनित रचनाएँ—

1. विज्ञान लेख
शीर्षक: "जलवायु परिवर्तन: चुनौतियाँ और समाधान"
लेखक: आरव मिश्रा

आज का युग जलवायु परिवर्तन की गंभीर चुनौती का सामना कर रहा है। तापमान में निरंतर वृद्धि, अनियमित वर्षा, हिमनदों का पिघलना और जैव विविधता में कमी इसके स्पष्ट संकेत हैं। इन परिवर्तनों के पीछे औद्योगीकरण, वनों की कटाई और प्रदूषण प्रमुख कारण हैं।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखें तो कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा में वृद्धि पृथ्वी के तापमान को प्रभावित कर रही है। इसके समाधान के लिए हमें सतत विकास की ओर बढ़ना होगा—जैसे वृक्षारोपण, अक्षय ऊर्जा का उपयोग और जल संरक्षण।
यदि हम अभी से जागरूक होकर वैज्ञानिक उपाय अपनाएँ, तो हम आने वाली पीढ़ियों के लिए एक संतुलित और सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित कर सकते हैं।

2. विज्ञान ब्लॉग
शीर्षक: "मेरी रसोई में छुपा विज्ञान"
लेखिका: अनन्या शर्मा

क्या आपने कभी सोचा है कि हमारी रसोई भी एक छोटी-सी प्रयोगशाला है? जब हम पानी उबालते हैं, तो वह द्रव से गैस में बदल जाता है—यह एक भौतिक परिवर्तन है। वहीं, जब हम दाल पकाते हैं, तो उसमें रासायनिक परिवर्तन होता है, जिससे उसका स्वाद और संरचना बदल जाती है।

किण्वन (Fermentation) के माध्यम से इडली और दही जैसे खाद्य पदार्थ बनते हैं, जो सूक्ष्मजीवों की क्रिया का परिणाम हैं। इसी तरह, मसालों का मिश्रण केवल स्वाद ही नहीं बढ़ाता, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी होता है।
इस प्रकार, हमारी रसोई में हर दिन विज्ञान घटित होता है—बस जरूरत है उसे समझने और सराहने की।

3. जानकारी आधारित लेख
शीर्षक: "कृत्रिम बुद्धिमत्ता: भविष्य की दुनिया"
लेखक: रोहन वर्मा

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) आज के समय की सबसे महत्वपूर्ण तकनीकों में से एक है। यह मशीनों को इस प्रकार सक्षम बनाती है कि वे सोचने, सीखने और निर्णय लेने में मानव जैसी क्षमता प्रदर्शित कर सकें।

AI का उपयोग आज स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा, कृषि और उद्योग में तेजी से बढ़ रहा है। उदाहरण के लिए, चिकित्सा क्षेत्र में AI रोगों का शीघ्र निदान करने में सहायता करता है, जबकि कृषि में यह फसल की गुणवत्ता और उत्पादन बढ़ाने में सहायक है।

भविष्य में AI हमारे जीवन का अभिन्न अंग बन जाएगा, इसलिए इसका सही और जिम्मेदार उपयोग अत्यंत आवश्यक है।

4. विज्ञान कविता
शीर्षक: "प्रकृति का संतुलन"
लेखिका: साक्षी तिवारी

प्रकृति का यह अद्भुत संगम,
वायु, जल, धरती का हर क्रम।
संतुलन से ही जीवन चलता,
विज्ञान इसे सदा समझाता। पेड़ों की हरियाली कहती,
"मुझमें ही जीवन की गाथा रहती।"
नदियाँ गाती मधुर तराने,
धरती माँ के कोमल फसाने।
जब मानव सीमा भूल जाता,
प्रकृति का संतुलन डगमगाता।
आओ मिलकर यह प्रण लें हम,
संरक्षित रखें यह सुंदर क्रम।

5. नवाचार / प्रोजेक्ट आइडिया
शीर्षक: "स्मार्ट जल संरक्षण प्रणाली"
लेखक: आदित्य सिंह

जल संकट आज एक वैश्विक समस्या बन चुका है। इस समस्या के समाधान हेतु "स्मार्ट जल संरक्षण प्रणाली" एक प्रभावी पहल हो

सकती है।

इस प्रणाली में सेंसर का उपयोग कर मिट्टी की नमी को मापा जाता है। जब नमी का स्तर कम हो जाता है, तब ही सिंचाई की प्रक्रिया शुरू होती है। इससे अनावश्यक जल की बर्बादी को रोका जा सकता है।

यह तकनीक न केवल किसानों के लिए लाभकारी है, बल्कि घरेलू

उपयोग में भी इसे अपनाया जा सकता है। इस प्रकार, वैज्ञानिक नवाचार के माध्यम से हम जल संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठा सकते हैं।

6. अनुभवात्मक ब्लॉग

शीर्षक: "एक विज्ञान यात्रा: प्रयोगशाला से गाँव तक"
लेखिका: नेहा चौधरी

हाल ही में मुझे एक ग्रामीण विज्ञान जागरूकता कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर मिला। यह अनुभव मेरे लिए अत्यंत प्रेरणादायक रहा। हमने गाँव के लोगों को सरल प्रयोगों के माध्यम से विज्ञान के सिद्धांत समझाए—जैसे पानी शुद्ध करने के तरीके और स्वच्छता का महत्व। गाँव के बच्चों में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा देखकर मुझे बहुत खुशी हुई। उन्होंने उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछे और प्रयोगों में भाग लिया।

इस यात्रा ने मुझे यह सिखाया कि विज्ञान केवल प्रयोगशाला तक सीमित नहीं है, बल्कि जब यह समाज से जुड़ता है, तभी उसका वास्तविक महत्व सामने आता है।

ये रचनाएँ विद्यार्थियों की सृजनात्मकता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और समाज के प्रति उनकी संवेदनशीलता का सशक्त परिचायक हैं। "नवांकुर" वास्तव में वह मंच है, जहाँ आज के विचार भविष्य के नवाचारों में परिवर्तित होते हैं।

सहभागिता और सफलता की कहानियाँ : प्रेरणा के नए पथ

सफलता की कहानियाँ केवल उपलब्धियों का वर्णन नहीं होतीं, वे प्रेरणा की वह ज्योति होती हैं जो आने वाली पीढ़ियों को दिशा प्रदान करती हैं। S. Ramanujan School of Science के विद्यार्थी अपनी मेहनत, समर्पण और प्राप्त मार्गदर्शन के बल पर विभिन्न क्षेत्रों में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर रहे हैं—चाहे वह शिक्षा का क्षेत्र हो, बैंकिंग एवं कॉर्पोरेट जगत हो या अन्य पेशेवर मंच।

यह उपलब्धियाँ इस सत्य को प्रमाणित करती हैं कि जब सही दिशा, सतत प्रयास और अवसर का समन्वय होता है, तब सफलता केवल एक लक्ष्य नहीं, बल्कि एक स्वाभाविक परिणाम बन जाती है।

प्लेसमेंट एवं औद्योगिक सहयोग (Placement & Industrial Collaboration)

हमारे विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों में अपनी योग्यता का परिचय देते हुए उल्लेखनीय स्थान प्राप्त किए हैं—

- **सानिया शेख** – सेंट जोसेफ स्कूल, खंडवा में एनटीटी शिक्षक के रूप में नियुक्ति
- **हर्षिता मालवीय** – सांदीपनी एजुकेशनल एकेडमी में शिक्षक के रूप में नियुक्त
- **नंदकिशोर पाटिल** – IDFC FIRST बैंक लिमिटेड में एसोसिएट रिलेशनशिप मैनेजर के रूप में चयन
- **किशोर चौहान** – IDFC FIRST बैंक लिमिटेड में एसोसिएट रिलेशनशिप मैनेजर के रूप में चयन

इन सभी सफलताओं के पीछे न केवल विद्यार्थियों का परिश्रम, बल्कि अध्ययनशाला का मार्गदर्शन, शैक्षणिक गुणवत्ता और व्यावहारिक प्रशिक्षण भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैयह खंड उन प्रेरक यात्राओं को साझा करता है, जो यह संदेश देती हैं कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो, प्रयास निरंतर हो और मार्गदर्शन सशक्त हो, तो सफलता के नए पथ स्वयं निर्मित हो जाते हैं।

वृतांत

02/02/2026

डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय में मद्यपान निषेध दिवस पर दिलाई गई शपथ

डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, खंडवा एवं नेशनल फेडरेशन ऑफ टूरिज्म एंड ट्रांसपोर्ट को-ऑपरेटिव्स ऑफ इंडिया लिमिटेड (NFTCI), नई दिल्ली के बीच पर्यटन विकास एवं सतत गतिविधियों को बढ़ावा देने हेतु महत्वपूर्ण एमओयू संपन्न हुआ। इस समझौते के माध्यम से ग्रीन एनर्जी, सर्कुलर इकोनॉमी, स्वच्छ ऊर्जा समाधान, प्राकृतिक खेती तथा वेस्ट-टू-वेल्थ मॉडल जैसे क्षेत्रों में संयुक्त कार्य किए जाएंगे। एमओयू से विद्यार्थियों को प्रशिक्षण, शोध, फील्ड डेमोंस्ट्रेशन एवं कौशल विकास के नए अवसर प्राप्त होंगे। साथ ही ग्रामीण आजीविका, पर्यावरण संरक्षण एवं रोजगारोन्मुखी शिक्षा को भी सशक्त बढ़ावा मिलेगा। यह पहल विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

19/02/2026

इंडिया स्किल प्रतियोगिता 2026 में डॉ. सी वी रमन विश्वविद्यालय के छात्रों ने जीता स्वर्ण पदक

डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, खंडवा के विद्यार्थियों ने इंडिया स्किल प्रतियोगिता 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर विश्वविद्यालय एवं निमाड़ क्षेत्र का गौरव बढ़ाया। प्रतियोगिता 15 से 18 फरवरी 2026 तक गांधीनगर, गुजरात में आयोजित हुई, जिसमें देशभर के 330 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कृषि विज्ञान के छात्र गोल्डी फूलमाली एवं शुभम मसानी ने स्वर्ण पदक एवं 75 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्राप्त की, जबकि अनोष रावजी ने उत्कृष्टता पदक अर्जित किया। कुलपति डॉ. अरुण आर. जोशी ने इसे युवाओं के कौशल विकास की दिशा में प्रेरणादायक उपलब्धि बताया। प्रतियोगिता में प्रो. दीपक कौशल ने समन्वयक एवं मार्गदर्शक के रूप में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

20/02/2026

दैनिक भास्कर के आइकॉन्स ऑफ निमाड़ अवॉर्ड 2026 में डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय सम्मानित

डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, खंडवा को दैनिक भास्कर द्वारा आयोजित 'आइकॉन्स ऑफ निमाड़ अवॉर्ड 2026' में शिक्षा एवं सामाजिक योगदान के लिए सम्मानित किया गया। समारोह मंडलेश्वर में भव्य रूप से आयोजित हुआ, जिसमें निमाड़ क्षेत्र की उत्कृष्ट प्रतिभाओं एवं संस्थाओं को सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम में बॉलीवुड अभिनेता गुलशन ग्रोवर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय को क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास एवं सामाजिक सरोकारों में उल्लेखनीय योगदान के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय परिवार में हर्ष का वातावरण रहा।

21/02/2026

भारतीय ज्ञान परंपरा एवं आधुनिक शिक्षा के समन्वय पर विशिष्ट व्याख्यान आयोजित

डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, खंडवा में एन.ई.पी. सारथी गतिविधि अंतर्गत भारतीय ज्ञान परंपरा केंद्र द्वारा "पारंपरिक ज्ञान एवं आधुनिक शिक्षा का सहयोजन" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आचार्य प्रभु नारायण मिश्र ने भारतीय ज्ञान परंपरा की वैज्ञानिकता, वेद-शास्त्रों के जीवनोपयोगी सिद्धांतों तथा रामायण-महाभारत के उदाहरणों के माध्यम से नैतिक मूल्यों और जीवन प्रबंधन पर मार्गदर्शन दिया। कुलसचिव श्री रवि चतुर्वेदी ने भारतीय ज्ञान को दैनिक जीवन में अपनाने पर बल दिया, जबकि कुलगुरु डॉ. अरुण रमेश जोशी ने भारतीय भाषा, संस्कृति एवं परंपरा के संरक्षण को समय की आवश्यकता बताया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं प्राध्यापकों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही तथा भारतीय चिंतन पर सार्थक संवाद स्थापित हुआ। संचालन प्रो. ज्योति गौर वर्मा एवं आभार प्रदर्शन प्रो. देवास उइके द्वारा किया गया।

26/02/2026

निमाड़ की लोक विरासत को मिलेगा संरक्षित मंच : चतुर्वेदी

डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, खंडवा में आयोजित कार्यक्रम में कुलसचिव रवि चतुर्वेदी ने निमाड़ अंचल की लोक कला, संस्कृति एवं साहित्य के संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया। विश्वविद्यालय के लोक कला एवं संस्कृति अनुसंधान केंद्र के माध्यम से क्षेत्र के साहित्यकारों, लोक कलाकारों, गायकों एवं नाट्य समूहों का विस्तृत डाटाबेस तैयार किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य कलाकारों को कार्यशालाओं एवं सांस्कृतिक आयोजनों से जोड़ना है। उन्होंने सभी कलाकारों से अपने संपर्क विवरण उपलब्ध कराने की अपील की ताकि उन्हें आगामी गतिविधियों में सहभागी बनाया जा सके।

23/02/2026

खंडवा में रॉयल निमाड़ ईगल्स टीम गठन के लिए क्रिकेट ट्रायल्स

डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, खंडवा एवं आईसेक्ट समूह की पहल पर मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग (सिंधिया कप) 2026 के लिए रॉयल निमाड़ ईगल्स टीम गठन हेतु 24 फरवरी को खंडवा में क्रिकेट ट्रायल्स आयोजित किए जाएंगे। ट्रायल्स सूरजकुंड स्थित क्रिकेट ग्राउंड पर सुबह 8 बजे से प्रारंभ होंगे। इस पहल का उद्देश्य निमाड़ क्षेत्र के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को राज्य स्तरीय मंच एवं पेशेवर प्रशिक्षण का अवसर प्रदान करना है। पात्रता के अनुसार खिलाड़ी की आयु 1 दिसंबर 2025 तक न्यूनतम 19 वर्ष होना आवश्यक है तथा वह मध्य प्रदेश का निवासी होना चाहिए। खिलाड़ियों से आवश्यक दस्तावेज एवं क्रिकेट किट के साथ समय पर उपस्थित होने की अपील की गई है।

संपादकीय मंडल

संरक्षक : प्रो. (डॉ.) अरुण रमेश जोशी,
कुलगुरु, सी. वी. आर. यू. खंडवा,

प्रधान संपादक : श्री रवि चतुर्वेदी,
कुलसचिव, सी. वी. आर. यू., खंडवा,

कार्यकारी संपादक : प्रो. नेहा शुक्ला, मुख्य प्रकाशन अधिकारी

सदस्य :
1. डॉ. सीमा शर्मा, डायरेक्टर रिसर्च एंड इनोवेशन
2. डॉ. गणेश मलगाया, डायरेक्टर केंद्रीय प्रयोगशाला समन्वयक
3. प्रो. योगेश महाजन, अधिष्ठाता अकादमिक

संकल्पना : श्री प्रमोद पटेल, ग्राफिक डिजाइनर
प्रकाशन विभाग

संचार एवं प्रसार : श्री मनदीप सिंह पंवार, अध्ययनशाला समन्वयक
आर्यभट्ट स्कूल ऑफ डिजिटल लर्निंग
श्री हमज़ा मलिक,
वनमाली केन्द्रीय ग्रंथालय